वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 296 | शुक्रवार 23 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल बोले- जनता हमारे लिए सर्वोपरि

ट्रैफिक नहीं रोकने का फैसला लोगों के लिए लिया, कैबिनेट को भी इसे मानना चाहिए...

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आम आदमी की तरह ट्रैफिक में चलना शुरू कर दिया है। रेड सिग्नल होने पर उनका काफिला भी चौराहों पर आम पब्लिक की तरह रुक रहा है। गुरुवार को बीजेपी ऑफिस जाते समय और वहां से लौटते समय सीएम भजनलाल शर्मा का काफिला ट्रैफिक सिग्नल पर रुका। उन्होंने कहा कि हमने यह फैसला जनता के लिए लिया है। जनता को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। जनता हमारे लिए सर्वोपरि हैं। उन्होंने कहा कि कैबिनेट को भी इस फैसले को मानना चाहिए। सीएम भजनलाल शर्मा गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कोर कमेटी की बैठक में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। बैठक के बाद जब सीएम भजनलाल शर्मा बीजेपी कार्यालय से निकले तो ट्रैफिक नहीं रोका गया। वहीं राजमहल चौराहे पर पहुंचने पर सीएम भजनलाल शर्मा का काफिला ट्रैफिक सिग्नल पर रुका, इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि फैसला जनता के लिए लिया गया है। जनता को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। डीजीपी यूआर साहू ने बताया कि उनके पास सीएम का फोन आया था कि उनके सिटी में चलने के दौरान लोगों को परेशानी होती हैं। कई बार देखा गया है कि लोग अधिकांश समय में ट्रैफिक में फंस जाते हैं, इसलिए इस तरह का प्लान बनाया जाए, जिससे की वह सड़क पर निकले तो लोगों को परेशानी ना हो।

सीएम ने डीजीपी को दिए थे निर्देश

सीएम के काफिले के चलते जनता को होने वाली परेशानी को देखते हुए सीएम भजनलाल शर्मा ने यह फैसला लिया है। उन्होंने बुधवार को पुलिस महानिदेशक राजस्थान से कहा था कि उनके काफिले के सड़क पर चलने के दौरान ट्रैफिक को नहीं रोका जाए। सीएम बुधवार रात जब बाड़मेर से लौटे थे, तभी से उन्होंने आम आदमी की तरह ट्रैफिक में चलना शुरू कर दिया था। एयरपोर्ट से सीएमआर (ओटीएस) लौटते समय उन्होंने इस नियम का पालन किया था। ओटीएस सर्किल पर रेड लाइट होने पर उनका काफिला भी आम पब्लिक की तरह रुका।

डीजीपी ने कहा कि सीएम की सिक्योरिटी की जिम्मेदारी हमारी है। सीएम के काफिले में जो वाहन हैं और उन वाहनों पर जो पुलिस अधिकारी हैं, उनसे भी इस विषय में राय ली जाएगी। राजस्थान में इस तरह का कल्चर नहीं हैं, लेकिन सीएम की मंशा आमजन को राहत देने की है तो इस पर काम होगा। सीएम के इस फैसले को लेकर इंटेलिजेंस एडीजी, जयपुर पुलिस कमिश्नर एक बार चर्चा कर लेंगे, जिसके बाद प्लान बनाया जाएगा।

राज्यपाल की अध्यक्षता में रेड क्रॉस सोसायटी की विशेष समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि प्रदेश में नवगठित 17 जिलों में इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी की जिला शाखाओं के विस्तार का कार्य तेजी से किया जाए। उन्होंने जिला कलेक्टरों द्वारा रेडक्रॉस जिला शाखाओं में सदस्यों की संख्या बढ़ाए जाने, सर्वाइकल कैंसर और अन्य रोगों के प्रति जागरूकता के साथ ही आदिवासी क्षेत्रों में रेडक्रॉस गतिविधियों के लिए विशेष प्रयास करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने रक्तदान, अंगदान और देहदान के लिए लोगों को प्रेरित करने और इससे जुड़ी भ्रांतियों के निवारण में भी जागरूकता का आह्वान है। मिश्र गुरुवार को राजभवन में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में जिन रेडक्रॉस शाखाओं के भवन नहीं हैं, वहां जिला कलेक्टर स्तर पर भूमि आवंटन की कार्यवाही भी त्वरित की जाए। उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों को एक दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण देने के साथ सामाजिक सेवाओं के लिए प्रेरित किए जाने की आवश्यकता जताई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने की जनसुनवाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरूवार को अपने राजकीय आवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने प्रदेशभर से बड़ी संख्या में आए लोगों की परिवेदनाएं सुनीं एवं ज्ञापन लिए और अधिकारियों को इनके शीघ्र निस्तारण के लिए निर्देश दिए। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों से चिकित्सा मंत्री आत्मीयता के साथ मिले और उनकी परिवेदनाओं पर शीघ्र कार्यवाही कर राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि आयुष्मान राजस्थान के संकल्प के साथ प्रदेष में चिकित्सा सेवाओं को निरंतर सुगम और सुदृढ़ बनाया जा रहा है। राज्य सरकार गरीब, महिला, युवा एवं किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारी सरकार का प्रयास है कि हर वर्ग और हर क्षेत्र का समग्र विकास हो और आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण हो।

अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ सुजानगढ़ पहुंचा

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी पूज्य गणिनी प्रमुख 105 ज्ञानमती माताजी के आशीर्वाद से प्रवर्तित अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ सुजानगढ़ पहुंचा। श्री दिगम्बर जैन मंदिर से निकला जुलूस निकाला गया जो नगर के मुख्य मार्गों से होकर नर्सिया जी पहुंचा। मीडिया प्रभारी महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि रथ में सोधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य मिश्रीलाल नवीन कुमार बगड़ा व धनपति कुबेर इंद्र बनने का नेमीचंद, पारसमल, सरोज कुमार , सुरेश कुमार, नरेश कुमार पांड्या परिवार को व मंगल आरती करने का सौभाग्य प्रकाशचंद विमल कुमार पाटनी परिवार को व भगवान को पालना झुलाने का सौभाग्य प्रतापमल सरोज कुमार छाबड़ा परिवार को मिला । इस अवसर पर विमल कुमार पाटनी,पारसमल बगड़ा,रौनक पांड्या,सरोज पाटनी,सुरेश पांड्या,डॉक्टर सरोज कुमार छाबड़ा,अशोक कुमार जी बिनायकया,मनोज पहाड़िया,संतोष छाबड़ा, मोतीलाल बगड़ा,मीनू देवी बगड़ा,मैना देवी पाटनी, विमला छाबड़ा,नेहा छाबड़ा,सहित काफी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित थे।

गुलाब प्रदर्शनी 3 मार्च को होगी सिटी पार्क में

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोज सोसाइटी ऑफ राजस्थान की ओर से 3 मार्च को मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में 49 वीं गुलाब प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। रोज सोसायटी की अध्यक्ष पूर्व मुख्य सचिव उषा शर्मा ने बताया कि गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन राजस्थान आवासन मंडल, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में जनसाधारण को 500 से अधिक गुलाब की किस्म देखने को मिलेगी । प्रदर्शनी में रोज लवर्स एवं नर्सरी के प्रति लोगों में अधिक उत्साह देखा जा रहा है। रोज सोसायटी के महासचिव अनिल भार्गव ने बताया कि वर्ष 2025 गुलाब प्रदर्शनी का गोल्डन जुबली वर्ष होगा । गोल्डन जुबली वर्ष वृहत स्तर पर आयोजित करने के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है ।

श्री वर्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय की छात्राओं ने फैशन शो में भाग लिया

ब्यावर. शाबाश इंडिया। श्री वर्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढा के निर्देशन में फैशन एवं मेकअप विभाग की व्याख्याता श्रीमती छवि गरवाल और सुश्री प्रियंका मंगरोला के साथ 20 छात्राओं का एक दल जे.ई.सी.आर.सी यूनिवर्सिटी जयपुर में आयोजित फैशन शो में भाग लेने बुधवार को गया । जहां देश की जाने माने अमेटी यूनिवर्सिटी नोएडा, के. आर. मंगलम यूनिवर्सिटी गुड़गांव , जी. डी. गोयनका यूनिवर्सिटी हरियाणा, भारती विद्यापीठ न्यू लॉ कॉलेज पुणे, जयपुर यूनिवर्सिटी, पूर्णिमा कॉलेज जयपुर सहित करीब 25 से ज्यादा कॉलेजों ने भाग लिया ।इस अवसर पर समिति मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने छात्राओं को शुभाशीष देते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया। जैसे ही महाविद्यालय की छात्राऐ पारम्परिक परिधानों में रेम्प पर उतरी तो तालियाँ गूंज उठी। वेस्टन डिजाइन के ड्रेसस पहनकर छात्राएं जब मंच पर आई तो उनकी खूबसूरती और बढ़ गई. महाविद्यालय की छात्राओं ने फैशन शो में रैंप वॉक कर सबका दिल मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं निर्णायको की भूमिका में मिस मल्टीनेशनल इंडिया 2021 दिवीजा गंभीर और मिलिंद कुमार थे । महाविद्यालय की छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर दो राउंड पार कर फाइनल राउंड मे जगह बनाई । छात्राओं ने फाइनल राउंड में देश प्रदेश की 8 कॉलेजों में चौथा स्थान प्राप्त किया । छात्राओं की इस उपलब्धि पर समस्त महाविद्यालय परिवार ने हर्ष जताते हुए बधाई प्रेषित की ।

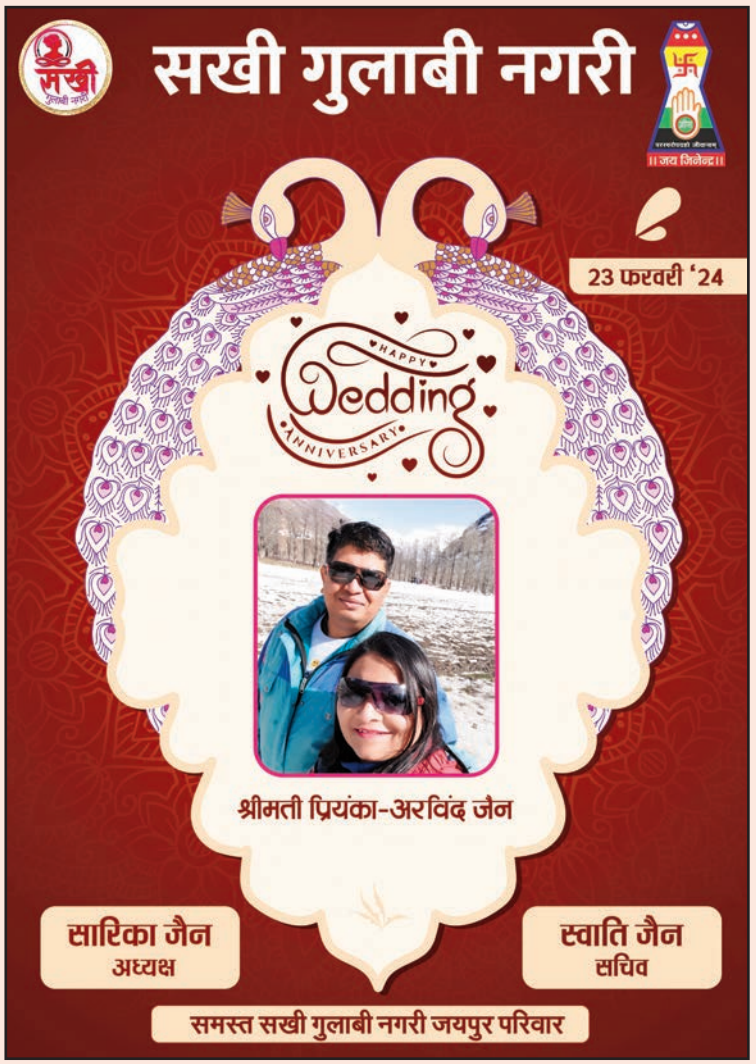

तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का मनाया जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर , पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के पन्द्रहवें तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि मुनिसुव्रतनाथ जिनालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए जैन- धर्म के पन्द्रहवें तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव का जयकारों के साथ सामूहिक रूप से अर्घ्य चढ़ाकर विश्व शांति की कामना की गई, मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं कमलेश चौधरी ने बताया कि 28 फरवरी को छठे तीर्थंकर भगवान पदम प्रभु का मोक्ष कल्याण महोत्सव भक्ति भाव से मनाया जाएगा। कार्यक्रम में कपूरचंद जैन नला ,मोहनलाल झंडा, महावीर कठमाणा,केलास कासलीवाल हनुमान कलवाड़ा, हरकचंद झंडा, पंडित संतोष बजाज, महेंद्र गोधा,महेंद्र कासलीवाल, रमेश बजाज, महावीर बजाज,महावीर प्रसाद मोदी, पारस चोधरी, कमलेश झंडा,विनोद कमल झंडा, सुशील कासलीवाल, जीतू मोदी, तथा प्रेमदेवी पंसारी, विमला मोदी,कमला कासलीवाल, मंजू झंडा, शोभा झंडा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की स्मृति में आयुर्वेदिक औषधि के पौध रोपण किया

सनावद. शाबाश इंडिया। स्वस्थ रहने के लिए आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज स्थिर और कारगर होता है जबकि एलोपैथिक इलाज से रोगों का त्वरित निदान तो होता है परंतु स्थाई निदान संभव नहीं है। यदि गिलोय, एलोवेरा, नागदौन पथरचट्टा जैसे पौधों की बैलों का उपयोग किया जाए तो बुखार चर्म रोग तथा पेट की नसों को सही रखने में सहायता मिलती है लेकिन यह पौधे आसानी से सुलभ नहीं होते। आयुर्वेदिक पद्धति से रोगों का उपचार का ज्ञान देने के लिए समर्पित समाजसेवी सलित जैन ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के समाधिस्थ होने के उपलक्ष में एक हजार आठ गिलोय, एलोवेरा आदि पौधे लगाने के लिए संकल्प बंद होकर गुरुवार तक लगभग 400 पौधे एवं बैलों का रोपण विभिन्न क्षेत्रो में किया है। वात पित्त कफ आदि में इसके उपयोगी फायदे होते हैं। समाजसेवी डॉ.नरेन्द्र जैन भारती ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए निस्वार्थ भाव से सलित जैन और उनके साथियों के कार्यों की सराहना करते हुए इन पौधों के संरक्षण हेतु उन स्थानों के कार्यकताओं को संरक्षण हेतु प्रेरणा दी। यह पौधे मंडी प्रांगण, कृषि उपज मंडी, रिलायंस पेट्रोल पंप, पोदनपुरम क्षेत्र, जैन मुक्तिधाम, हाई स्कूल कोटलिया खेड़ी आदि विभिन्न स्थानों पर रोपे गये। जे. टी. बिर्ले, राघोराम आर्य, नरेन्द्र जैन, राजेंद्र मंत्री, वारिस जैन, दुर्गा शंकर पाटीदार, एवं बालकृष्ण चौकड़े का सराहनीय योगदान रहा। समाजसेवी सलित जैन ने बताया कि एक हजार आठ पौधे रोपण तक यह प्रक्रिया सतत जारी रहेगी।

वेद ज्ञान

वास्तविक संत वही जिसने सत्य को खोज लिया

जो मुक्त हो गया, जिसने सत्य को खोज लिया, वही संत है। इसीलिए संत को परमात्म स्वरूप माना गया है। संत हमारी भाषा और हमारी मजबूरियां अच्छी तरह समझता है। इसलिए जब तक वह संसार में (शरीर में) ठहरा हुआ है, तब तक हम उसका उपयोग सद्गुरु के रूप में करके अपना जीवन कृतार्थ कर सकते हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि संत दुखी कैसे होता है? जो मुक्त हो गया, वह समस्त सुखों-दुखों को पार करके आनंद (परमानंद) को उपलब्ध हो चुका होता है। इसलिए पुनः सुख में उलझने का प्रश्न ही नहीं उठता। कारण यह कि सुख-दुख सांसारिक हैं और एक दूसरे के विलोम हैं, जबकि आनंद एक तीसरी स्थिति है, जो सुख-दुख के अतिक्रमण से प्राप्त होती है। वहां से वापसी असंभव है। फिर संत दुखी क्यों होता है? क्या वास्तव में उसके दुखी होने की बात सच है? जी हां यह सच है। संत दुखी होता है और वह तब तक दुखी रह सकता है, जब तक उसे सत्य उपलब्ध नहीं होता। इसका कारण यह है कि जब वह सत्य को उपलब्ध हो जाता, तब वह पाता है कि जिसे वह और पूरा संसार बाहर तलाश रहा है, वह तो उसके भीतर ही निहित है और प्रत्येक व्यक्ति उसे पा सकता है। वह (परमात्मा) उसका अधिकार है। तब वह अपार करुणा से भरकर कबीर, नानक, महात्मा बुद्ध और महावीर आदि की तरह प्रबल रूप से आह्लादित होने लगता है, जिससे पूरे जगत को इस विराट सत्य का पता चल सके। याद रखें, परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि शक्ति है। इस अदृश्य शक्ति ने ही ब्रह्मांड का सृजन किया है। विभिन्न प्राणियों, जंतुओं और वनस्पतियों में इसी शक्ति का अंश निहित है। परमात्मा की हम अनुभूति कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए हमें विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियों जैसे क्रोध, लालच, ईर्ष्या, अहंकार और असत्य आदि को त्यागना होगा, तभी हम अंतर्मन में उसकी अनुभूति कर सकेंगे। वस्तुतः परमात्मा गूंगे का गुड़ है। हम चाहते हैं कि सुबूत के तौर पर कोई परमात्मा को किसी वस्तु की तरह हमारी हथेली पर रख दे, जो असंभव है। परमात्मा हमारे भीतर निहित है।

संपादकीय

मौसम के पूर्वानुमान की भारत की क्षमता

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गत शनिवार को तीसरी पीढ़ी का मौसम संबंधी उपग्रह इनसेट- उदीर सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। इसे एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सराहा गया। वह उपग्रह मौसम के पूवार्नुमान की भारत की क्षमता बढ़ाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी इंजन के समस्यामुक्त प्रदर्शन से रोमांचित थी। उपग्रह को ले जाने वाले जीएसएलवीएफ 14 रकिट में तीसरे चरण का क्रायोजेनिक इंजन लगा था। भारत ने चार दशक तक

स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन तैयार करने के लिए संघर्ष किया है। इस परिपक्व और अच्छे प्रदर्शन का देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर सकारात्मक प्रभाव तो पड़ेगा ही, साथ ही इससे सैन्य क्षमताओं को भी नए आयाम मिल सकते हैं। क्रायोजेनिक इंजन में तरल मैसों (प्रायः हाइड्रोजन और ऑक्सीजन) के मिश्रण का इस्तेमाल किया जाता है जो ढोए जा रहे भार को तीव्र गति प्रदान करती हैं। वे रविट ज्यादा भार को तेजी से ऊपर ले जाते हैं। तरल हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को बहुत कम तापमान पर अलग-अलग भंडारित किया जाता है। इन्हें साथ मिलाने पर जबरदस्त विस्फोट उत्पन्न होता है। तापमान के अंतर का प्रबंधन और भंडारण टैंक में विस्फोट होने से रोकना आसान नहीं है। इन तकनीकी दिक्कतों से निपटने के लिए बेहतरीन डिजाइन की आवश्यकता होती है और साथ ही पदार्थ विज्ञान की अच्छी समझ भी जरूरी है। भारत समेत केवल देश है जिनके पास वह क्षमता है। भारत ने रूस के इंजनों के साथ शुरूआत की थी। बहरहाल यह दोहरी तकनीक है क्योंकि इसका सैन्य इस्तेमाल भी संभव है। पोकरण-2 और भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के मिसाइल कार्यक्रम को देखते हुए अमेरिका ने इस क्षेत्र में शोध एवं विकास को बाधित करने का निरंतर प्रवास किया है। रूस ने भी तकनीक हस्तांतरित नहीं की, हालांकि उसने बीते वर्षों में छह इंजन अवश्य दिए। इसरो को रिवर्स इंजीनियरिंग को अपनाना पड़ा और नई प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। पहले 15 प्रक्षेपण में चार बार पूरी तरह और दो बार आंशिक स्तर पर नाकामी झेलनी पड़ी। इस 16वें प्रक्षेपण के बाद माना जा रहा है तकनीक में स्थिरता आई है। इस इंजन को पहले इसरो के भीतर नॉटी बॉय का नाम दिया गया था लेकिन अब उसे स्मार्ट बॉय कहकर पुकारा जा रहा है। यह इंजन पृथ्वी की निचली कक्षा में 6,000 किलोग्राम तक का भार ले जा सकता है जबकि ऊपरी कक्षा में यह करीब एक तिहाई भार ले जा सकता है। ध्यान रहे इनसैट-3डीएस का वजन करीब 2,275 किलोग्राम है। इससे भविष्य के मंगल वा चंद्र अभियानों की जटिलता कम होगी। यह अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना में भी मदद कर सकता है। इसके तात्कालिक वाणिज्यिक असर भी हैं। उदाहरण के लिए चूंकि वह अधिक भार को उच्च कक्षा में ले जा सकता है इसलिए भारत वैश्विक उपग्रह कारोबार में अहम हिस्सेदार बन सकता है। इसरो के अलावा निजी क्षेत्र की स्टार्टअप भी क्रायोजेनिक इंजन तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं और वे अलग-अलग डिजाइन के साथ प्रयोग कर रहे हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अमीन सायानी

बिनाका गीतमाला सुनने वाले सभी संगीत प्रेमियों को सलाम, उपस्थित है, आपका दोस्त, आपका साथी, अमीन सायानी, तो आइए ''बहनो और भाइयो, गाना है फिल्म जानेमन से और लता मंगशेकर कह रही हैं, आएगी आएगी आएगी किसी को हमारी याद आएगी''। किसी गाने के बोल को अपने शब्दों से किस खूबसूरती से पिरो देना है, यह कलाकारी अमीन सायानी से बेहतर शायद ही कोई जानता था। उन दिनों मैं छोटी उम्र का था, लेकिन गीतमाला एक ऐसा कार्यक्रम था, जिसका हम लोग शिद्दत से इंतजार किया करते थे। तब तक देश में टीवी जरूर आ गया था, पर ज्यादातर घरों में रेडियो ही देश-दुनिया से जुड़ने का एकमात्र साधन हुआ करता था। गीतमाला करीब एक घंटे तक चलता और जब अमीन सायानी के शब्द गूंजते, तो घर, बाजार, दुकान में मानो सब कुछ थम जाता। सायानी साहब जिस तरह से फिल्मी दुनिया से जुड़ी छोटी-छोटी कहानियों को आपस में जोड़ा करते, उससे यह प्रोग्राम एक अलग ही मुकाम पर पहुंच जाता। इसीलिए हम एक नई दुनिया में खो जाते थे। लगता, एक ऐसे दोस्त के साथ बैठे हैं, जो हमें नया रास्ता दिखा रहा है। इसी वजह से गीतमाला के कई गाने या धुनें हमें आज तक याद हैं। अब अमीन सायानी साहब भौतिक रूप में हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज हमेशा गूंजती रहेगी। वह भारतवासियों की आवाज है। जब भी रेडियो पर यह आवाज आती, तो समाज का हर तबका उसे पहचान लेता। उसमें कोई बनावटी-भाव नहीं था, जमीन की खुशबू आती थी उससे। लगता, घर का ही कोई पुकार रहा है, और हम उस ओर खिंचे चले जाते। इस आवाज की एक खासियत यह भी थी कि यह हर उम्र के लोगों को भाती थी। क्या बच्चे, क्या जवान और क्या बुजुर्ग, सभी अमीन सायानी के शब्दों से जुड़ जाते थे। वह भारत की उम्मीद और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करते। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा भी है, हिन्दुस्तान को टूटने से बचाने में फिल्म-संगीत का बड़ा हाथ है, वरना हम तो काफी पहले बिखर चुके होते। हालांकि, ज्यादातर लोग आवाज के इस जादूगर को हिंदी तक महदूद रखते हैं, लेकिन अमीन सायानी बहुभाषी थे और रेडियो पर अलग-अलग भाषाओं के कार्यक्रम किया करते थे। रेडियो उद्घोषक के रूप में उनका पहला कार्यक्रम अंग्रेजी में था। मुझे कई बार उनसे मिलने का मौका मिला और हर बार मैंने उनसे कुछ नया सीखा। दिलचस्प है कि उन्होंने अपने जीवन में जो कुछ सीखा, करियर के दौरान सीखा, अपनी सिखाई को मांजा और फिर अपना स्तर इतना ऊंचा कर लिया कि एक चलते-फिरते संस्थान बन गए। वह सिर्फ खनकती आवाज के ही मालिक नहीं थे, बल्कि तमाम किस्म की जानकारियों का भी खजाना थे। मैं उनसे पहली बार तब मिला था, जब वह ह्यकैडबरी बोर्नविटा क्वीजह्ल प्रतियोगिता कर रहे थे। उनके सामने आते ही मेरे हाथ-पैर सुन्न हो गए। उनकी आवाज तो बचपन से सुनता आ रहा था, लेकिन शक्ल को आवाज से मिलाना मुश्किल हो गया था। मुंह से शब्द ही नहीं निकल रहे थे। मेरी इस उलझन को संभवतः सायानी साहब ने भांप लिया। यह उनकी सिफत ही थी कि सामने वाले को वह एहसास नहीं होने देते थे कि वह कितनी ऊंची शख्सियत के मालिक हैं। सामने कोई भी इंसान हो, उसे वह पूरी इज्जत देते थे। उनमें किसी किस्म का घमंड नहीं था। यही कारण था कि उनसे बातचीत करके हर कोई अभिभूत हो जाता। ऐसी ही एक मुलाकात में मैंने पूछा कि आपने अपनी शैली कैसे विकसित की? उनका जवाब था, मैंने यही कोशिश की कि किसी की नकल न करूं। आप किसी भी जगह पर रहें, आपका प्रयास मौलिक होना चाहिए। अपनी स्टाइल खुद बनाएं।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के मुख्य पात्रों का सम्मान कर दिया निमंत्रण

बैंड बाजों से समाजजन पहुंचे निवास पर तो किया गया सभी का अभिनंदन

कामा. शाबाश इंडिया

प्रथम गणिनी आर्यिका रत्न विजय मती माता की जन्म भूमि, आदिनाथ भगवान तलघर वाले बाबा की प्रकट स्थली कामवन कामां में जैन आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ सानिध्य में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु मुख्य पात्रों के निवास पर पहुंचकर जैन समाज द्वारा निमंत्रण दिया गया तो उपस्थित लोगों का पारिवारिक जनों ने किया अभिनंदन। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि प्राचीन परंपराओं को जीवंत रखते हुए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति ने सभी मुख्य पात्रों के निवास पर पहुंचकर निमंत्रण देने की परंपरा को जीवित रखा है। इस श्रृंखला के तहत कुबेर इंद्र धन श्री इंद्राणी बने वैभव जैन रिया जैन के निज निवास पर बैंड बाजो के साथ पहुच कर जैन समाज व पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के

पदाधिकारियों ने आमन्त्रण व भेंट स्वरूप वस्त्र,मिठाई फल आदि भेट किये। विजय जैन शशि जैन तेल वालों ने समाज जनों का अभिनंदन किया इस अवसर पर दीपक जैन सर्राफ ने कहा कि 63 वर्षों के बाद कामां में इतिहास लिखा जा रहा है। संजय सर्राफ, रवि जैन, मयंक, भारत, नीरज, दीपक, अनिल, पंकज, अशोक जैन, विकास बड़जात्या, प्रदीप जैन ने निमन्त्रण पत्रिका भेट की।

माता-पिता वीरचन्द उषा जैन को दिया निमन्त्रण

महोत्सव में भगवान के माता-पिता बने वीर चंद जैन बढ़ जाता धर्मपत्नी उषा जैन बड़जात्या का भी रात्रि को बैंड बाजो के साथ उनके निज निवास पर पहुंचकर समाज जनों ने अभिनंदन किया तो इस अवसर पर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेंद्र जैन ने कहा की कामां में अभूतपूर्व उत्साह दिखाई दे रहा है और सभी समाज इस आयोजन को लेकर जुड़ रही हैं।

स्थानीय अधिकारियों को दिया निमन्त्रण: व्यापार महासंघ कामां के कमल अरोड़ा, कैलाश लोहिया,रामशरण दनगस, दिलीप अरोड़ा, लालचन्द सिंघल के साथ समिति ने उपखण्ड अधिकारी, डीएसपी व अन्य अधिकारियों को निमंत्रण पत्र दिया।

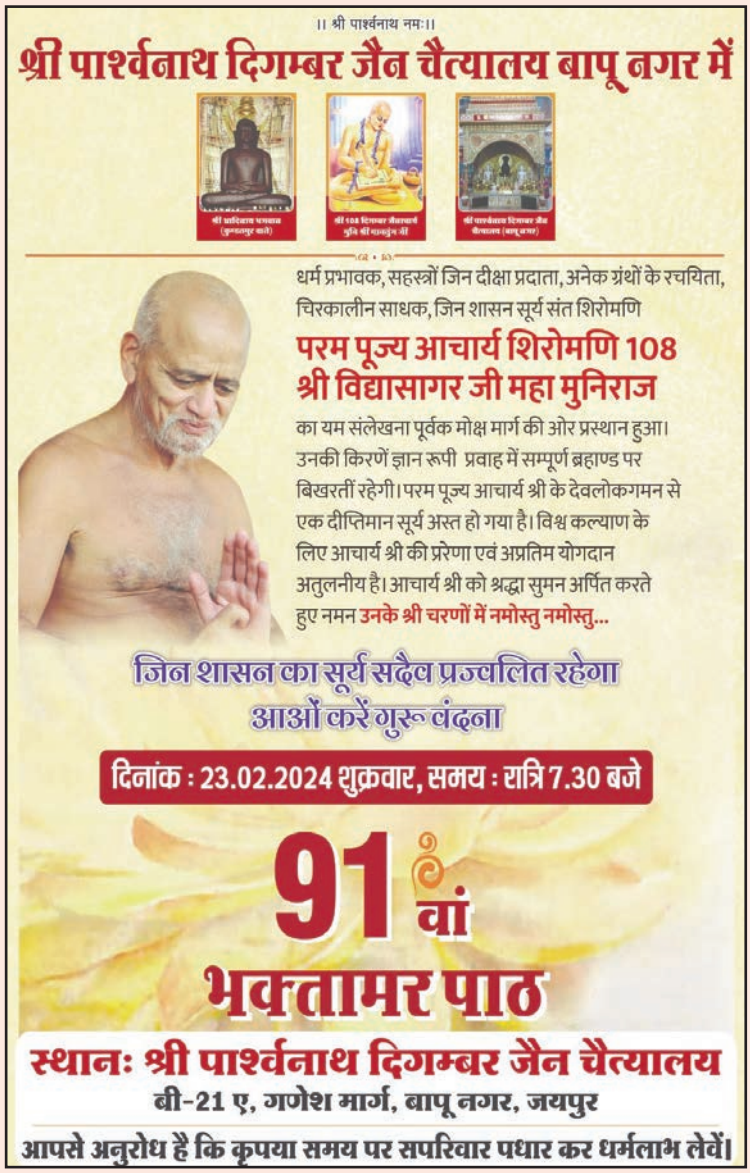

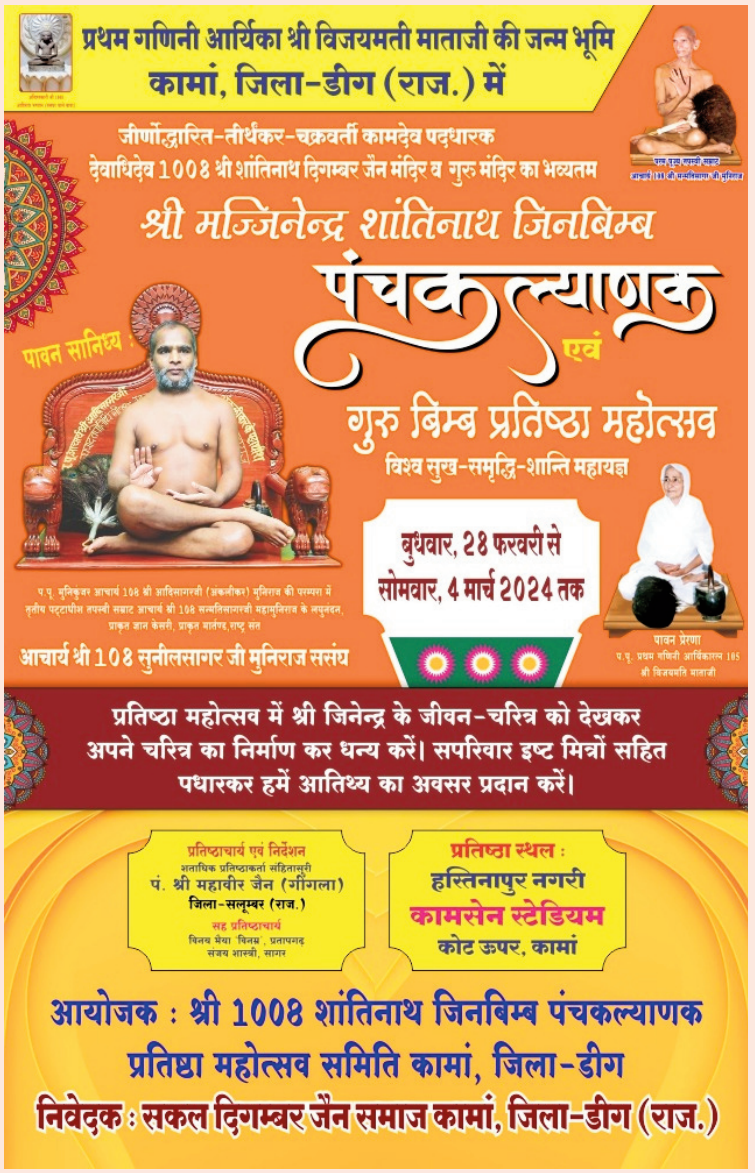

जयपुर व्यापार महासंघ का शिष्टमंडल अतिरिक्त कमिशनर यातायात प्रिया चंद्रा से मिला

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल वह महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि जयपुर शहर में यातायात संबंधी समस्याओं पर व्यापार महासंघ का शिष्टमंडल आज अतिरिक्त कमिशनर यातायात प्रिया चंद्रा से मिला व जयपुर शहर में यातायात संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु चर्चा की व समस्याओं के संबंध में ज्ञापन दिया चर्चा में जयपुर व्यापार महासंघ के कार्यक्रारी अध्यक्ष हरीश केडीया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सेनी, उपाध्यक्ष कैलाश मित्तल,

नीरज लुहाडिया, मिन्तर सिंह राजावत, कोषाध्यक्ष सोभागमल अग्रवाल, मंत्री विक्की चैलानी, अतुल गांधी, रेल्वे स्टेशन रोड व्यापार मंडल के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता गोपीनाथ व्यापार मण्डल के अध्यक्ष औम प्रकाश जी,बगरू वालों का रास्ता व्यापार मण्डल के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल एवं यातायात डीसीपी लक्ष्मण जी व अन्य यातायात विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। जयपुर व्यापार महासंघ ने प्रमुख रूप से ई-रिक्शा द्वारा रोड जाम , ऑटो रिक्शा मीटर से चले, बाजारों में पार्किंग ठेकेदार के कर्मचारी वदीर्धारी हो, पार्किंग की पर्ची मशीन द्वारा बने व उसमें पार्किंग समय पार्किंग शुल्क व अन्य आवश्यक जानकारी प्रिंट हो कर्मचारियों का व्यवहार सही हो ।रामनिवास बाग भूमिगत पार्किंग की व्यवस्था में सुधार हो पार्किंग दरें वाजिब हो वह रामनिवास बाग भूमिगत पार्किंग को संजय बाजार रूई मण्डी व रामलीला मैदान से भूमिगत सब- वे द्वारा जोड़ा जावें, बाजारों में बंद रोड डिवाइडर कट का सर्वे करके आवश्यकता अनुसार पुनः खोला जावे। एम आयी रोड वन वे पर पुनर्विचार किया जाए वह उसे आवश्यकतानुसार खोला जाए। सभी समस्याओं को अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर वह यातायात अधिकारियों ने समझा व निराकरण का भरोसा दिलाया। जयपुर व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों ने भी विभाग को जयपुर की यातायात समस्या के सुधार के प्रयासों में सहयोग का आश्वासन दिया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

शाबाश इंडिया। एक संत ने दीवार पर बड़ा सा सफेद पेपर लगाया और मार्कर पेन से पेपर के बीच में काला डॉट लगा दिया। फिर सब लोगों से पूछा- ? इस पेपर में सबको क्या दिख रहा है- ? सबने एक स्वर में कहा - महात्मा जी इसमें काला डॉट दिख रहा है। तब संत ने भरी हुई आवाज में कहा - इतना बड़ा सफेद पेपर नजर नहीं आया। एक छोटा सा काला डॉट नजर आया। यही हाल तुम्हारी ज़िन्दगी का है। हमें किसी व्यक्ति के गुण नहीं दिखते, सिवाय दोष और कमी के।

- अब रिश्तों में कमी - दोष खोजने का नहीं, समादर करने का भाव रखें।
- अब किसी को परखने का नहीं, समझने का प्रयास करें।

क्योंकि द्वेष, ईर्ष्या, कषाय की आग अति गहरी और बड़ी आंतरिक होती है। इससे हमारा अपना ही अकल्याण और अशुभ चिन्तन में सारा वक्त पर गुजरता है। ऐसा भाव ही हमारे भावी दुःखों का निमंत्रण है। सौ बात की एक बात: दूसरों के लिए कुआं खोदने से पहले, अपने लिये बंगाल की खाड़ी तैयार हो जाती है...! **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

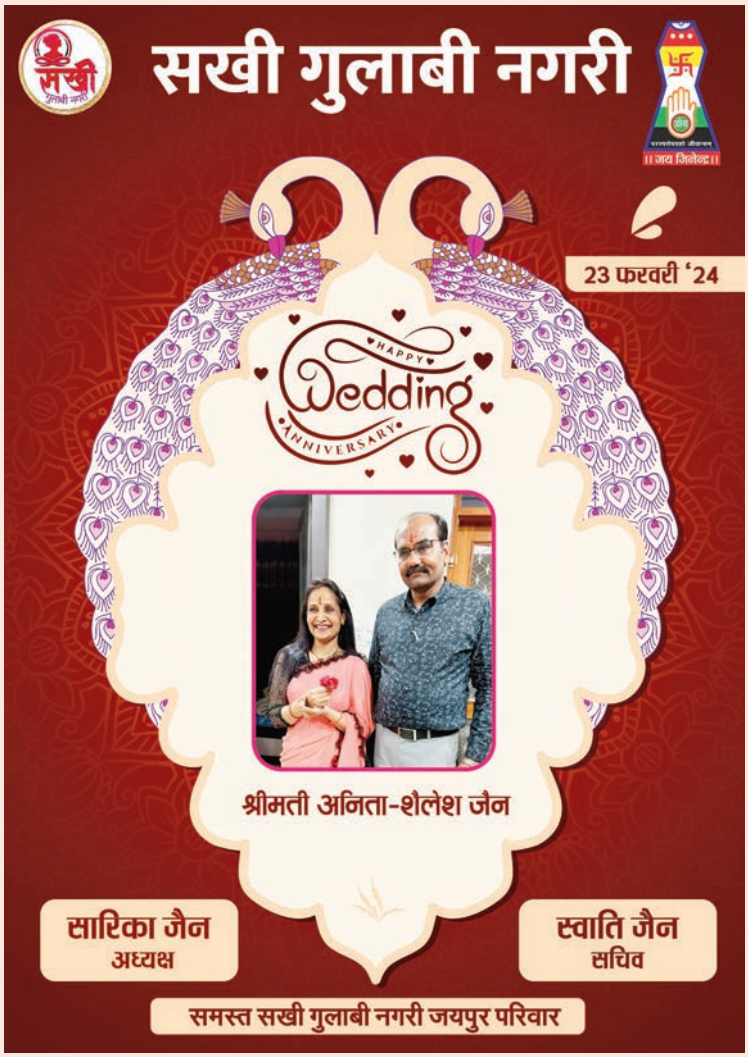

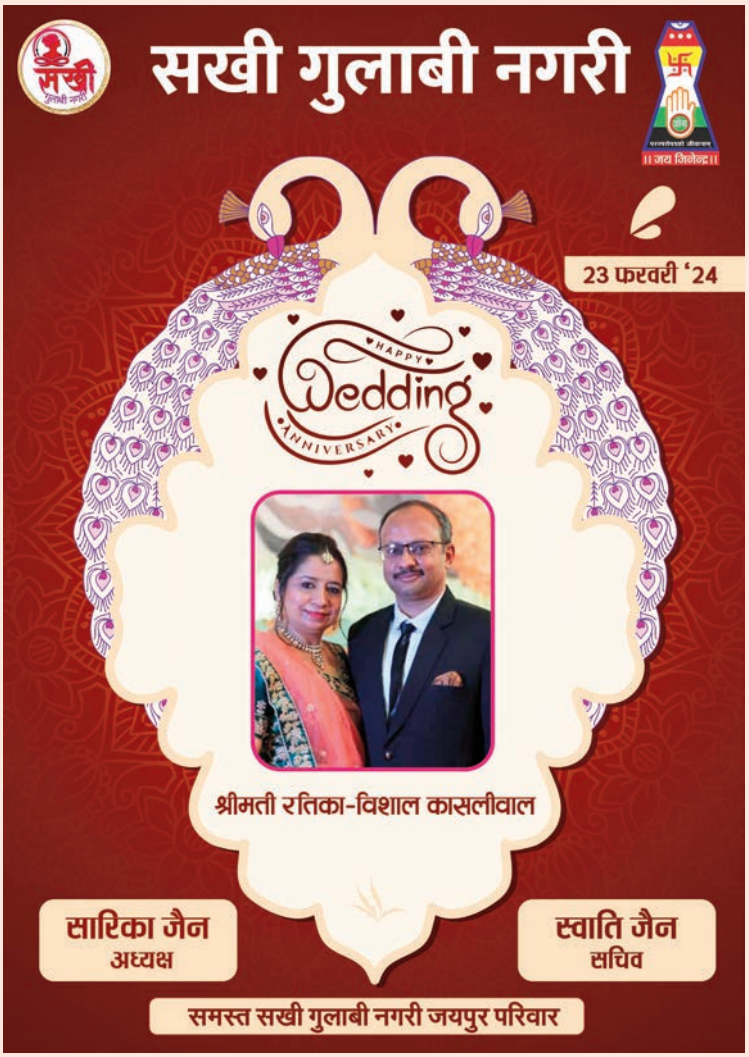

मां की बोली...ना बन जाए ठिठोली!

संदर्भः विश्व मातृभाषा दिवस

उदयपुर। आज यानि 21 फरवरी को विश्व मातृभाषा दिवस है। मातृभाषा को समर्पित दिवस...मातृभाषा यानि मां की बोली...अपने देश, अपने गांव, अपनी माटी की बोली! वह बोली जो बच्चा अपनी मां से, परिवार से, परिवेश से, बचपन के साथियों से, समाज से सीखता है...बिना किसी शिक्षालय में जाए! चलिए आज इस दिवस के बहाने अपने देश, समाज, शहर, गांव में अपनी बोली, अपने चलन को भी खंगाला जाए...

मातृ भाषा या चूं चूं का मुरब्बा!

अपने देश में डॉक्टर बनना मुश्किल हुआ तो यह ख्वाहिश पूरी करने बच्चे को मां बाप यूक्रेन या रशिया भेजते रहे हैं। इसके लिए उन्हे वहां जाकर पहले साल उनकी मातृभाषा सीखनी होती है और फिर वहीं की मातृभाषा में पढ़ाई करनी होती है...हां अंग्रेजी बतौर अलग भाषा वहां है, पर प्राथमिकता मातृभाषा को है। पर अपने देश में ऐसा नहीं। यहां सरकारी स्कूल जहां माध्यम हिंदी है, को निचले तबके का मानाजाता है और अंग्रेजी माध्यम शिक्षालय बतौर स्टेटस सिंबल के नजरिए से देखे जाते हैं। ऐसे में मातृभाषा की पहचान चूं चूं का मुरब्बा बन कर रह जाती है।

घणी घणी खम्मा!

एक कहावत बोली, भाषा को लेकर मेरे देश में प्रचलित है। कहा जाता है कि...

कोस कोस पर पानी बदले...

चार कोस पर बोली...

इस लिहाज से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितनी बोलियों, भाषाओं से भारत देश की माटी का श्रंगार हुआ है।

इसी संदर्भ में पश्चिमी राजस्थान में अभिवादन अभिव्यक्ति के लिए एक शब्द है...खम्मा घणी या घणी घणी खम्मा! घणी मतलब बहुतायत से और खम्मा यानी क्षमा मांगते हुए...तो भारत में मातृभाषा की जो स्थिति है, उसके लिए खम्मा घणी कहा जा सकता है। अन्य देशो में मातृभाषा का जो सम्मान है, वह यहां विलुप्ति पर है। अंग्रेजियत इस देश में भारी है। इसके चलते प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था में बच्चा जिन मानसिक दबावों का शिकार होता है, वह बयां से बाहर है।

इतिहास के झरोखे से...

17 नवंबर 1999 को यूनेस्को द्वारा 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस घोषित किया गया था। यह 21 फरवरी 2000 से दुनिया भर में मनाया जा रहा है। यह घोषणा बांग्लादेशियों (तब पूर्वी पाकिस्तानियों) द्वारा किए गए भाषा आंदोलन को श्रद्धांजलि देने के लिए की गई थी। मातृभाषा बांग्ला की रक्षा के लिये किये गए लंबे संघर्ष की कहानी भी है। कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया गया था।

मातृभाषा संबंधित तथ्य...

-1994 में इथियोपिया में मातृभाषा और प्राथमिक शिक्षा के मद्देनजर अनुसंधान हुए, प्रयोग हुए और परिणाम यह निकला कि मातृभाषा में दी गई शिक्षा को बच्चे चालीस प्रतिशत की अधिकता से ग्रहण करता है, उसकी रुचि, उत्सुकता अन्य भाषा की तुलना में बहुत ज्यादा रहती है! - यूनेस्को ने भाषायी विरासत के संरक्षण हेतु मातृभाषा आधारित शिक्षा के महत्त्व पर जोर दिया है। सांस्कृतिक विविधता की रक्षा के लिये स्वदेशी भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय दशक भी शुरू किया गया है। इसमें विश्व के विविध क्षेत्रों की विविध संस्कृतियों एवं बौद्धिक विरासत की रक्षा करते। मातृभाषाओं का संरक्षण करना एवं उन्हें बढ़ावा देना है।

-हर दो सप्ताह में एक भाषा विलुप्त हो जाती है और विश्व एक पूरी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत खो देता है।

-भारत में यह विशेष रूप से उन जनजातीय क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है जहाँ बच्चे उन विद्यालयों में सीखने के लिये संघर्ष करते हैं जिनमें उनको मातृ भाषा में निर्देश नहीं दिया जाता है।

उम्मीद का दिया... भाषा संगम

सरकार ने ''भाषा संगम'' कार्यक्रम शुरू किया है, जो छात्रों को अपनी मातृभाषा सहित विभिन्न भाषाओं को सीखने और समझने के लिये प्रोत्साहित करता है। कार्यक्रम का उद्देश्य बहुभाषावाद और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना भी है। केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान सरकार ने केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान भी स्थापित किया है, जो भारतीय भाषाओं के अनुसंधान और विकास हेतु समर्पित है। **प्रस्तुति - साधना सोलंकी**

श्री आनंद कुमार-श्रीमती रजनी बाला जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

23 फरवरी' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

विज्ञातीर्थ पर मनाया गया धर्मनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) में साधनारत गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री शांतिनाथ चैत्यालय में श्री धर्मनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। स्तुति आराधना पूर्वक भगवान के श्री चरणों में अष्ट द्रव्य मय अर्घ्य समर्पित किए गये। पूज्य माताजी का पारणा कराने का सौभाग्य धर्मप्रेमी बंधु पारस चैनपुरा, गणेश बोहरा सपरिवार ने प्राप्त किया। विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर गुरुमाँ के दीक्षा दिवस महोत्सव को लेकर तैयारियां चल रही है। प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि लोगों का आदर केवल उनकी शक्ल या सम्पत्ति के कारण नहीं करना चाहिये बल्कि उनकी उदारता के कारण करना चाहिये। हम सूरज की कद्र उसकी ऊँचाई के कारण नहीं करते बल्कि उसकी उपयोगिता के कारण करते है, अतः व्यक्ति नहीं व्यक्तित्व आदरणीय है।

रिश्ते और पैसा

पैसा पैसा पैसा
चहुं ओर छाया इक शब्द है
जिसने छीना अपनों का रिश्ता
रिश्तों की टूटी डोर है
पैसा ही लगता है प्यारा
रिश्तों का रहा न कोई मोल है।
जिसने छीना मानव का सुख और चैन है
पैसा ही है सबसे प्यारा
उसके आगे हर इक रिश्ता
बना कमजोर है।
धन से धनवान बने
और धनवान से बने फकीर हैं
फिर भी समझ न आता सबको
कि पैसा तो सिर्फ 'हाथ का मैल' है।
मत बटोर पैसे को मानव
बटोरना है तो रिश्तों को बटोरो
जो पैसे की खातिर बिखरे चहुं ओर हैं।
रिश्तों को करो मजबूत
उन्हीं से संभला हमारा जीवन
और जीवन का सब सुख चैन है।

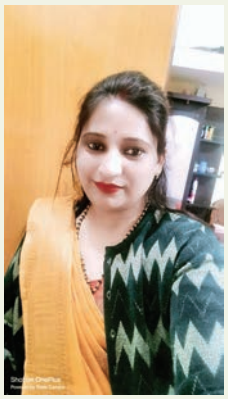

स्वरचितः रचना शर्मा

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

न बोली लगाएंगे, न दान लेंगे, समय के हर पल का सदुपयोग करेंगें

आचार्य विशुद्धसागरजी के सान्निध्य में सुमति धाम इन्दौर में होगा अद्भुतपंचकल्याणक

इंदौर. शाबाश इंडिया

इन्दौर इन्द्रपुरी इन्दौर के नाम से विख्यात धार्मिक नगरी मालवा की कहावत रुपग-पग रोटी-डग-डग नीर' की कहावत को चरितार्थ करती नजर आ रही है। चर्या शिरोमणि श्रमणाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ 35 पिच्छी के पावन सान्निध्य में 6 से 11 मार्च 2024 को एक ऐसा अद्भुत, जैन जगत में अकल्पनीय ऐतिहासिक पंच कल्याणक होने जा रहा है जो जैन धर्म की वाणी को डिजीटल माध्यम से जन-जन में प्रसारित करने में कारगर बनेगा। अभूतपूर्व मुहूर्त के पल-पल का सदुपयोग करने की उज्जवल दृष्टि को ध्यान में रखते हुए इस पंचकल्याणक में किसी से भी एक रूपए का न तो चंदा लिया जा रहा है, न ही बोलियां लगाई जा रही है, न ही कोई दान राशि लेने की इच्छा है। गोधा परिवार, गांधीनगर इन्दौर द्वारा 'सुमति-धाम' गोधा एस्टेट में किए जा रहे इस अभूतपूर्व आयोजन की तैयारियां देखकर मन प्रसन्न हुआ। जैन धर्म के गौरवशाली युवा, दम्पति सपना-मनीष गोधा अपनी माँ प्रभा स्व. सुरेश गोधा के आशीर्वाद से इस आयोजन को अंतर्राष्ट्रीय ऊंचाईयां देने में कामयाब होंगे। सुमतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का निर्माण एक सफल परिकल्पना बाहर से बंसी पहाड़पुर व अन्दर से मकराना मार्बल से निर्मित यह मंदिर अदभुत नक्काशी व शिल्पकला का उदाहरण बना है। बास्तुशिल्पी किशोर सोमपुरा के द्वारा परिकल्पित मंदिर को मात्र दो वर्ष में दिन-रात, चौबीसों घण्टों की मेहनत से तैयार किया गया है। विशाल मंदिर में पंचम तीर्थकर 1008 श्री सुमतिनाथ जी की श्वेत वर्णी प्रतिमा जो 51 इंच की है, विराजमान की जावेगी। वियतनाम के अखण्ड मार्बल से निर्मित प्रतिमा मंदिर स्थल पर ही निर्मित की गई है। 64 खम्बों के बीच मनमोहक श्री सुमतिनाथजी की प्रतिमा दर्शनीय होगी। 24 तीर्थकर प्रतिमाओं से सुसज्जित होगा मानस्तंभ मंदिर के सम्मुख मानस्तंभ में 24 तीर्थकर प्रतिमाओं को विराजित किया जाएगा। 24 तीर्थकर प्रतिमाएं भी मंदिर स्थल पर ही उत्कीर्ण की गई है, मान कषाय न हो इसलिए 24 परिवारों से एक-एक रुपये की रशि मात्र लेकर उनके नाम लिखे जाएंगे। मंदिर के सम्मुख विशाल प्रवेश द्वार भी निर्मित किया गया है, जो मंदिर को भव्य बनाता है। मेरे अनुमान से चैबीस तीर्थकर प्रतिमाओं का यह मानस्तंभ संपूर्ण भारतवर्ष में अनूठा होगा, जो कि विश्व में पहला होगा। **डिजीटल अत्याधुनिक पाठशाला, प्रवचन कक्ष:** मंदिर के समीप ही एक पाठशाला व प्रवचन कक्ष का निर्माण कराया गया है जिसमें बह्य एलईडी, प्रोजेक्ट कम्प्यूटराईज्ड कक्ष होगा। डिजीटल स्मार्ट क्लास जैसी पाठशाला होगी जिसमें सब कुछ अत्याधुनिक व डिजीटल होगा। जिससे आज के स्मार्ट बच्चे स्मार्ट तरीके से जैन धर्म को सीख सकेंगे। वहीं स्मार्ट प्रवचन हॉल वातानुकूलित होगा जिसमें नियमित प्रवचन सभा भी होगी।

दस हजार वर्गफीट में बना है भव्य संत निवास सौभाग्य सदन

मंदिर के समीप ही दस हजार वर्गफीट एरिये में संत निवास का निर्माण भी पूर्णता की ओर है, संत निवास में कमरों के साथ नीचे वातानुकुलित हाल भी निर्मित किया गया है जिसमें समय-समय पर मण्डल विधान, प्रवचन आदि भी पूर्ण हो सकेंगे। संत निवास सौभाग्य सदन के नाम से पहचाना जाएगा।

पंचकल्याणक डिजिटल होगा, पत्रिका प्रिंट नहीं होगी: अत्याधुनिक तकनीक से हो रहे इस पंच कल्याणक के परिकल्पनाकार सपना मनीष गोधा ने बताया कि उनका लक्ष्य युवाओं को धर्म से जोड़ना है, इसलिए पंच कलाणक के इन्द्र-इन्द्रणी से लेकर आवास आदि समस्त व्यवस्थाएं डिजीटल रूप से ही उपलब्ध रहेगी। रजिस्ट्रेशन आन लाइन ही होंगे। बिना किसी शुल्क के होने वाले इस पंचकल्याणक के लिए 1008 युवा इन्द्र-इन्द्रणी का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। सभी को धोती, दुपट्टा, साड़ी मुकुद, आवास आदि की व्यवस्था की गई है। पंचकल्याणक का प्रसार डिजीटल मीडिया, सोशल नेटवर्क पर ही होगा। पत्रिका कार्ड आदि प्रिंट नहीं कराये जाएंगे। डिजिटली पंचकल्याणक को लेकर युवाओं में अभूतपूर्व उत्साह है।

लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्ट मेपिग का होगा डिजिटली प्रदर्शन

पंचकल्याणक के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रमों में भी लेजर शो, ड्रोन शो, प्रोजेक्ट मेपिंग आदि नई तकनीकों के माध्यम से जैन धर्म की विशेषताओं, तीर्थ दर्शन आदि को प्रस्तुत किया जाएगा जो जैन जगत में सम्भवतः पहली बार ही होगा। मंच पर 1800 वर्ग फीट का एलईडी रहेगा। लगभग 70 हजार लोग बैठ सकें, ऐसा वातानुकूलित पाण्डाल बनाया जाएगा। पंचकल्याणक में 4 हजार वर्ग फीट एलईडी का प्रयोग किया जाएगा। पचास चौके, वीआईपी कॉटेज, 4 भोजनशालाएँ आदि व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न होगी। अदभूत सभा मण्डप बनाया जायेगा। 1008 इन्द्र इन्द्राणी का सामूहिक हल्दी-मेहंदी का आयोजन 5 मार्च को* पंचकल्याणक के विशाल प्रांगण में 1008 इन्द्र इन्द्राणी को सामूहिक रूप से हल्दी-मेहंदी लगाई जाएगी, सभी को मेहंदी लगेगी। यह नजारा भी पहली बार देखने को मिलेगा। आठ दिनों में आठ बड़े संगीतकार जिनमें धैर्य राठोर, रुपेश जैन, अजित जैन कुचामन, रागिनी मक्कड़ आदि अपनी प्रस्तुति देंगे। अंतर्राष्ट्रीय गायक अजीत जैन देश भर में अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं। सम्पूर्ण परिसर नो बीकल झोन रहेगा। बच्चों के लिए प्ले झोन बनेगा, परिसर में इलेक्ट्रॉनिक कार से आना जाना होगा। चर्याशिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज ससंघ की भव्य आगवानी हेतु सपना मनीष गोधा ने बताया कि गुरुदेव के प्रवेश के दौरान हाथी, घोड़े, बग्गी, के साथ इन्द्र-इन्द्राणी विंटेज कार में रहेंगे। नौ राज्यों व शहर के बैण्ड भक्ति रस को बरसाएंगे।

ऐतिहासिक अद्भुत भव्य प्रवेश होगा

जो इन्दौर नगर के इतिहास में दर्ज किया जाएगा। सम्पूर्ण आयोजन में कोशिश की जा रही है कि सभी कार्यकर्ता जैन हों, शुद्धता रहे। प्रतिष्ठाचार्य के रूप में विद्याभूषण पं. प्रदीप कुमार जैन 'मधुर' मुंबई व सह प्रतिष्ठाचार्य के रूप में पं. चंद्रकांतजी गुडया इंडी कर्नाटक, पं. आनंद उपाध्ये सबदी कर्नाटक, पं. नितिन झांझरी इन्दौर, बा. ब्र. पीयूष प्रसून सतना रहेंगे। परामर्शदाता के रुप में पं.श्री रतनलालजी शास्त्री इन्दौर है। मंदिर निर्माण के परिकल्पना सपना मनीष गोधा ने बताया कि 16 जनवरी 2022 को प्रारंभ निर्माण कार्य 16 जनवरी 2024 को समाप्त हो गया है। उन्होंने जो स्वप्न देखा था उसे साकार करने में प्रेरणा प्रदाता अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी महाराज के पावन सन्निध्य में 11 दिसम्बर 2019 को भूमिपूजन सम्पन्न हुआ थ। उल्लेखनीय है कि गोधा परिवार के द्वारा अंतर्मना की प्रेरणा से पंद्रह सौ समाजजनों को सर्वसुविधायुक्त सम्मेदशिखरजी की यात्रा कराई थी। गांधीनगर के श्रावक श्रेष्ठी श्री विमलचंदजी छाबड़ा ने बताया कि गांधी नगर की श्राविका प्रभा-स्व. सुरेश जी गोधा परिवार द्वारा होने वाला यह आयोजन अद्भुत होगा। गांधीनगर के इतिहास में यह आयोजन, जिनेन्द्र भक्ति की उत्कृष्ट अर्चना हेतु नये आयाम लिखेगा। सम्पूर्ण गांधी नगर व इन्दौर दिगम्बर जैन समाज इस आयोजन की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहा है। प्रभा गोधा, सपना-मनीष गोधा परिवार द्वारा सम्पूर्ण देश भर को उक्त अयोजन में पुण्य लाभ हेतु आमंत्रित किया है।

प्रेषक आर के जैन इन्दौर

सामायिक साधना व जाप करके मनाया आचार्य विजयराजजी म.सा. एवं वरिष्ठ प्रवर्तक रूपचंदजी म.सा. का दीक्षा दिवस

बापूनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में महावीर भवन में हुआ आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापूनगर महावीर भवन श्रीसंघ के तत्वावधान में गुरूवार को आचार्य विजयराजजी म.सा. एवं वरिष्ठ प्रवर्तक रूपचंदजी म.सा. का दीक्षा दिवस महासाध्वी विजयलक्ष्मीजी म.सा. आदि ठाणा 3 के सानिध्य में सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर कई श्रावक-श्राविकाओं ने सामायिक साधना कर पूज्य संतो के दीक्षा दिवस पर श्रद्धाभाव व्यक्त किया। धर्मसभा से पूर्व सर्वमंगल की भावना से जाप का आयोजन भी हुआ। धर्मसभा में महासाध्वी विजयलक्ष्मीजी म.सा. ने आचार्य विजयराजजी म.सा. का गुणानुवाद करते हुए कहा कि आपके जीवन में अंदर एवं बाहर में समानता दिखाई देती है। एक बड़े संघ के आचार्य पद पर होते हुए भी बेहद सहज एवं सरल है ओर आप सभी को जिनशासन की सेवा समर्पित भाव से करने की प्रेरणा प्रदान करते है। उन्होंने कहा कि शेरे राजस्थान रूपचंदजी म.सा. का जीवन भी प्रेरणादायी रहा एवं आपकी वाणी ने लोगों को भगवान महावीर के दिखाए पथ पर चलने की प्रेरणा प्रदान की। धर्मसभा में शकुन्तला खमेसरा, दलपत सेठ, हेमन्त कोठारी आदि वक्ताओं ने भी आचार्य विजयराजजी म.सा. एवं वरिष्ठ प्रवर्तक रूपचंदजी म.सा. के प्रति मन के भाव व्यक्त किए।

विश्व इतिहास रचने में उदयपुर का भी रहा योगदान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली को विश्व की दूसरी व एशिया की पहली इंस्टीट्यूट होने का गौरव प्राप्त है। एनएसडी ने भारत रंग महोत्सव से इतिहास रच दिया। यह भारत का एक मात्र रंगमंच का अंतरराष्ट्रीय महोत्सव हर साल करती है इस बार यह भारंगम का पच्चीसवां साल पूरा कर रजत जयंती मना रही है जो की इस महोत्सव में 150 नाटक की प्रस्तुतियों से महोत्सव को भी पूरे विश्व में भारत को नंबर एक पर ले आए और इतिहास तो रचा ही साथ ही इस भारत रंग महोत्सव के समापन पर अनूठा एक वर्ल्ड रिकॉर्ड और बना दिया जो की पूरे भारत से रंगमच समूह को एक साथ ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाकर 2000 हजार प्रस्तुतियों से भारत में विश्व इतिहास रच दिया जिसमें उदयपुर की टीम नाट्य संस्था ने भी योगदान दिया यह योगदान टीम संस्था ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के भारत रंग महोत्सव के लिए नाटक मछली का घोंसला की ऑनलाइन मंचन कर के दिया। उल्लेखनीय हैं की यह नाटक उदयपुर में चालीस साल बाद फिर से मंचन किया यह नाटक उदयपुर के नाट्य लेखक रिजवान जहीर उस्मान द्वारा लिखित था जो की भारत के प्रमुख नाट्यलेखको में शुमार है । मछली का घोंसला नाटक में

वरिष्ठ रंगकर्मी शैलेंद्र शर्मा व रामेश्वर गौड़ ने मुख्य भूमिका निभाई चालीस साल पहले भी इसी नाटक में दोनो ने अभिनय किया था। यह कलाकार सित्तर वर्ष की आयु में भी अपने अभिनय से नाटक में जान डाल दी। जिसमे अन्य कलाकार ने साथ दिया। अशोक कपूर, जितेंद्र कहर, मुकेश धनगर, हर्ष सोलंकी ने भूमिका निभाई वही हेमेंद्र खटीक ने संगीत संचालन तो जसबीर सिंह ने प्रकाश व्यवस्था देखी। इस नाटक की परिकल्पना रामेश्वर गौड़ ने की मंच सज्जा शैलेंद्र शर्मा की रही। नाटक मछली का घोंसला का निर्देशन सुनील टांक ने किया। टांक ने बताया की विश्व इतिहास रचने में उदयपुर के टीम नाट्य संस्था के योगदान देने में विशेष सहयोग राजस्थान विद्यापीठ के प्रो एसएस सारंगदेवोत एवम सूचना केंद्र के उपनिदेशक गोरिकांत शर्मा का रहा।

सुरेश 'सरल' जैन का सल्लेखना पूर्वक समाधि-मरण

इंदौर। जैन जगत में महाशौक परम गुरुभक्त, जैन जगत के वरिष्ठ साहित्यकार, कुशल लेखनी के शब्द साधक, आचार्यों की जीवनी लेखन में कुशल आदरणीय सुरेश ''सरल'' जैन (विद्याधर से विद्यासागर कृति के लेखक) का समाधि पूर्वक संलेखना मरण हो गया है। उन्होंने 7 प्रतिमा के व्रतों को बुद्धि पूर्वक स्वीकार कर लिया था। इंदौर दिगम्बर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, सुशील पांड्या, मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश विनायका, हंसमुख गांधी, टीके वेद, संजीव जैन संजीवनी, राजेश जैन दद्दू, परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन, सारिका जैन एवं समाज जन ने श्रद्धांजली देते हुए कहा कि जैन जगत के लिए सरल जी का जाना बहुत ही दुखद घटना। हम सब वीर प्रभु से कामना करें, कि उनकी दिव्य आत्मा को अपने चरण के निकट स्थान दें।

ओम शांति ओम शांति ओम शांति

तीर्थंकर भगवान धर्मनाथ का जन्म कल्याणक मनाया गया

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान धर्मनाथ के जन्म कल्याणक पर महापूजन का आयोजन श्री आदिनाथ महिला मंडल द्वारा किया गया। देवाधिदेव धर्मनाथ भगवान के जन्म कल्याणक पर धर्मनाथ भगवान की पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने विश्व मंगल व कल्याण की प्रार्थना करते हुए सबके सुख-समृद्धि की कामना की। श्रीमती ऊषा भण्डारी ने कहा कि हमें परमार्थ की उपलब्धि नहीं होने से परेशानी होती है, हमें मंदिर बनाने से पहले अपना मकान बनाने पर विचार आता है। श्रीमती भण्डारी ने गृहस्थ जीवन पर भी अपने विचार में कई विषय समाहित किए। उन्होंने कहा कि गृहस्थ में सुख समृद्धि चाहिए, नकारात्मक ऊर्जा नहीं हो इसलिए जन्म कल्याणक का अभिषेक करना चाहिए। उन्होंने अभिषेक करने का महत्व बताया, उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार हमारे द्वारा किए गए सभी कर्म स्वाधिष्ठान चक्र में संग्रहित होते हैं। यह चक्र जल तत्व से बना है। जब भी हम कोई बुरा काम करते हैं, तो वह हमारे शरीर के जल चक्र को प्रदूषित करता है। चूंकि जल तत्व पर ही व्यक्ति की व्यक्तिगत, स्वास्थ्य, संपत्ति और आध्यात्मिक उन्नति आधारित होती है, इसलिए जल तत्व के बुरे कर्म ग्रहण करते ही उसके पूरे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। जाने-अनजाने में गलत काम करके व्यक्ति अपना ही नुकसान कर रहा होता है। ऐसे में जब कोई व्यक्ति भगवान का जल से अभिषेक करता है तो उसके स्वाधिष्ठान चक्र में प्रदूषित हुआ जल तत्व, परमात्मा पर जाप के साथ अभिषेक किए जा रहे जल से एकाकार हो जाता है। इस तरह परमात्मा के अभिषेक के साथ ही जल तत्व की शुद्धि हो जाती है और व्यक्ति का मानसिक, आध्यात्मिक और शारीरिक उत्थान होता है। आयोजन में महिला सदस्यों ने उत्साह से भाग लेते हुए प्रभु भक्ति का लाभ लिया।

जैन समाज ने साधु सन्तों, साध्वियों के प्रवास, प्रवचन एवं चातुर्मास हेतु भूमि भवन उपलब्ध कराने हेतु अल्पसंख्यक विभाग को दिया आवेदन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अल्पसंख्यक विभाग द्वारा जयपुर ज़िले में साधु सन्तों, साध्वियों के प्रवास, प्रवचन एवं चातुर्मास हेतु जैन समाज से भूमि चाहने हेतु चाहे गये प्रस्तावों के सम्बन्ध में राजस्थान जैन सभा जयपुर के पदाधिकारियों ने अल्पसंख्यक मामलात विभाग की निदेशक आई ए एस अधिकारी नलिनी कठोतिया से शिक्षा संकुल स्थित उनके कक्ष में मुलाकात की। इस मौके पर विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त भूमि भवन उपलब्ध कराने के प्रस्तावों को इकजाई कर सभा के पदाधिकारियों द्वारा अल्पसंख्यक विभाग की निदेशक एवं जयपुर जिले के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के महामंत्री मनीष बैद, मन्त्री विनोद जैन कोटखावदा,

अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के संयोजक भाग चंद जैन मित्रपुरा तथा धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला उपस्थित थे। विभाग की ओर से उप निदेशक सरफूद्दीन बेग एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शकील अहमद मौजूद रहे। राजस्थान जैन सभा जयपुर के महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि अभी हाल ही में अल्पसंख्यक विभाग द्वारा सभी ज़िला कलेक्टरों को इस विषय पर जारी परिपत्र हेतु जैन समाज की और से निदेशक महोदया का आभार भी व्यक्त किया। मंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक भूमि /स्थान आवंटन हेतु आवेदन दिगम्बर जैन मुनि संघ प्रबंध समिति, धर्म जागृति संस्थान ,अतिशय क्षेत्र पदमपुरा कमेटी ,दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, मंगलमसिटी , टोंक रोड संभाग समाज समिति आदि से जयपुर शहर तथा जयपुर से चारों तरफ के रूट के लिए प्राप्त हुए है। इससे पूर्व आवेदन की मूल प्रति ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी शकील अहमद को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत की गयी ।

मंगल विहार कॉलोनी जैन मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा

पांडुक शिला पर हुआ जन्माभिषेक, गूंजते रहे जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपालपुरा बाईपास स्थित मंगल विहार कॉलोनी के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य 108 सर्वांगभूषण श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के तीसरे दिन गुरुवार को जन्मकल्याणक धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बालक आदिकुमार के जन्माभिषेक को देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े और त्रिलोकीनाथ के जन्माभिषेक की खुशियां मनाई और जयकारों के बीच वातावरण को भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर कर दिया। महोत्सव के तहत शुक्रवार को तपकल्याणक की क्रियाएं होगी। प्रचार संयोजक रितेष जैन व शुभम शाह

ने बताया कि ने बताया कि महोत्सव के तहत गुरुवार को सुबह नित्य नियम पूजा के बाद गर्भकल्याणक पूजा के बाद शांति हवन हुआ। इसके बाद तीर्थंकर बालक का जन्म,इन्द्र सभा, शची सौधर्म वार्ता,सौधर्म का अवधिज्ञान से तीर्थंकर जन्म को जानना, नमस्कार, कुबेर इंद्र के पात्र बने अमित-रितु गोधा की सौधर्म इन्द्र के पात्र बने प्रेम कुमार-पदमा जैन से वार्ता,सौधर्म इन्द्र का सप्त सेना अयोध्या के लिए प्रस्थान,अयोध्या परिक्रमा,माता को मायामयी निद्रा में सुलाना,मायावी बालक का निर्माण,प्रसुतिगृह से बालक से जिन बालक को लाना और सौधर्म इन्द्र को सौंपना, आदि क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य डॉ.आनंद प्रकाष ने सम्पन्न करवाई। इसके बाद ओंकार शुद्धि,प्रोक्षण विधि,धुली कलषाभिषेक के बाद जन्मकल्याणक की शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेते हुए अपने भक्तिभाव को दषार्या। यह शोभायात्रा मंगल विहार के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करती हुई पांडुक शिला पहुंची, जहां सौधर्म इन्द्र बने प्रेम कुमार-पदमा जैन ,कुबेर इन्द्र अमित-रितु गोधा सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों व श्रद्धालुओं ने आया मंगल दिन मंगल अवसर से गगरी भरो,कि न्हवन प्रभु आज करेंगे...रोम-रोम से निकले प्रभुवर नाम तुम्हारा...धन्य-धन्य आज घडी कैसी सुखकार है...जैसी भजनों की स्वर लहरियों व जयकारों के बीच बालक आदिकुमार का अभिषेक किया गया। प्रभु के जन्माभिषेक के इस पावन दृष्य को देख श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। मंगल विहार पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष प्रमिला जैन व सचिव अमित गोधा ने बताया कि इसके बाद जन्मातिषय,झांकियां के बाद साम को आरती व प्रवचन के बाद जिन जन्म महोत्सव, तांडव नृत्य,पालना,काल क्रीड़ा व भगवान के बाल्यावस्था के दृष्य दिखाए गए।

फ्रेंड्स क्लब नावा के सदस्यों ने जोधपुर मंडल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह को सौपा ज्ञापन

नावा सिटी रेलवे स्टेशन के विकास एवं विस्तार के साथ प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की रखी पुरजोर मांग

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी। जोधपुर मंडल के नावा सिटी से कुचामन सिटी रेलवे स्टेशनों के मध्य रेल दोहरीकरण कार्य का सीआरएस करने आए संरक्षा आयुक्त आरके शर्मा व अन्य अधिकारियों के साथ जोधपुर मंडल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह को क्षेत्र के सामाजिक संगठन फ्रेंड्स क्लब द्वारा नावा सिटी रेलवे स्टेशन से संबंधित विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाते हुए शीघ्र अति शीघ्र निराकरण करवाने की बात कही गई व स्टेशन के विकास एवं विस्तार के साथ आमजन की भावना के अनुरूप प्रमुख ट्रेनों के ठहराव को लेकर ज्ञापन दिया गया ' प्राप्त जानकारी के अनुसार फ्रेंड्स क्लब अध्यक्ष मनोज गंगवाल के नेतृत्व में क्लब के सदस्यों व क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों द्वारा मंडल प्रबंधक जोधपुर को स्टेशन से संबंधित विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाते हुए ज्ञापन दिया गया जिसमें लिखा कि नावां सिटी रेलवे स्टेशन सम्पूर्ण जोधपुर डिविजन में रेलवे को सालाना मालमाड़े व यात्रीमार से 100 करोड़ से भी अधिक का राजस्व प्रदान करता है इसके बावजूद भी रेलवे स्टेशन को अमृत भारत योजना में नही जोड़ा गया है तथा कोराना समय से पहले चार जोड़ी प्रमुख गाडीयों का ठहराव था जिसमें से दो जोडी ट्रेनों का ठहराव हो गया है।

डॉक्टर जोशी को लोकसभा स्पीकर ओमप्रकाश बिरला ने किया सम्मानित

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी । उपखंड मुख्यालय नावा के सीकर रोड पर स्थित शहीद भगत सिंह कॉलेज आफ नर्सिंग के प्राचार्य डॉक्टर अभिषेक कुमार जोशी के डॉक्टरेट पीएचडी उपाधि पूर्ण किए जाने पर टाटिया यूनिवर्सिटी से मुख्य अतिथि लोकसभा स्पीकर ओम प्रकाश बिरला व सांसद निहालचंद मेघवाल के द्वारा द्वितीय दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया गया है और कॉलेज के डायरेक्टर अनिल कुमार गौड़, विशिष्ट अतिथि सुरेश चौधरी, ए.यू बैंक मैनेजर बजरंग लाल शर्मा, लक्ष्मण राम कुमावत, रमेश कुमार माली ,सतीश जांगिड़ के द्वारा माला व साफाबंधन कर स्वागत सम्मान किया गया । इस दौरान डॉक्टर अभिषेक कुमार जोशी ने सभी अतिथियों व संस्था के सदस्यों, विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया तथा अपने संबोधन में एचडी के बारे में बताया । डॉक्टर अभिषेक कुमार जोशी की जानकारी के अनुसार हल्ड के अनुसार 35% जनसंख्या 4 से 15 साल के बच्चों की है स्कूल में बच्चों के खेल के दौरान जो चोटे लगती हैं उनको कैसे रोका जाए और उनका कैसे उपचार किया जाए यह मैंने अपनी पीएचडी के चार साल शोध किया और विषय के अंतर्गत मैं नागौर राजस्थान के चयन स्कूलों को प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच खेल चोटों में प्राथमिक चिकित्सा का उपाय का अध्ययन किया ।

श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर सार्वजनिक सेवा समिति की नई टीम घोषित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर सार्वजनिक सेवा समिति, पानी पेच झोटवाड़ा रोड के द्विवार्षिक चुनाव आज सम्पन्न हुए। प्रचार मंत्री महेश सैनी ने बताया कि मंदिर की मुख्य सलाहकार मंडल समिति अध्यक्ष हरीश शर्मा व अन्य सदस्यों की सहमति कार्यकारिणी का गठन किया गया।नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष रविंद्र यादव, महासचिव विमल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रमेश शर्मा, उपाध्यक्ष राधा किशन मांडन, उपाध्यक्ष राजू जांगिड़, प्रचार प्रसार मंत्री महेश सैनी, सह सचिन रवि प्रकाश चौधरी, सह कोषाध्यक्ष रामशरण दुसाद कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र खंडेलवाल सहित 18 सदस्यों की कार्यकारिणी चुनी गई।

राजगढ धाम पर भैरव बाबा के साथ कई देवता हुए विराजमान

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर चल रहे मूर्ति प्राण प्रतिश्ठा कार्यक्रम विधिवत धूमधाम से मनाया गया। धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि ग्राम राजगढ़ में 18 फरवरी से लगातार धार्मिक कार्यक्रम चल रहे है जिसके अन्तर्गत गुरूवार को सर्वप्रथम पण्डित चन्द्र प्रकाश आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन यज्ञ करवाया गया। हवन यज्ञ में 101 जोड़ों ने बैठकर आहुतियाँ दी। हवन यज्ञ के पश्चात बाबा भैरव, सन्त सिरोमणी सेनजी महाराज, माँ दुर्गा, हनुमान जी महाराज, बाबा रामदेव और शिव परिवार की मूर्ति प्राण प्रतिश्ठा की गई। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष राजस्थान व राजेन्द्र भाई साहब संघ प्रचारक के मुख्य आतिथ्य तथा राजगढ़ धाम के मुख्य उपासक चम्पालाल महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष महेश शर्मा संभागीय आयुक्त अजमेर व विशिष्ट अतिथि के रूप में अजमेर जिला कलक्टर भारती दीक्षित ने शिरकत की। धाम पर आये हुए अतिथियो द्वारा मंदिर के शिखर पर ध्वज एवं कलश चढ़ाया गया। मंदिर की और से आये हुए सभी अतिथियो का स्वागत सत्कार किया गया। आये हुए सभी अतिथियो ने भी हवन यज्ञ में आहुती दी तथा बाबा भैरव व माँ कालिका का आशिर्वाद प्राप्त किया। धाम पर चल रहा महोत्सव ठिकाना राजगढ़ के ठा. विष्णुप्रताप सिंह, ठा. विजय सिंह व ठा. प्रेम सिंह गौड के देखरेख में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान न्यायी फाउंडेशन,राजस्थान के संस्थापक शंकर आकाश व संरक्षक विनोद गोठड़िया द्वारा चम्पालाल महाराज को अभिनन्दन पत्र व मोमेन्टो भेट किया। कार्यक्रम में रमेशचन्द्र सेन, अविनाश, ताराचन्द, राहुल, कपिल, किशन, मुकेश, कैलाश, श्याम, विष्णु, राकेश, ओमप्रकाश, धर्मेन्द्र, राजेश, कालुराम, रतन, सुरेन्द्र, कैलाश, महावीर, विनोद, ओमप्रकाश, विशाल, सौरभ, शंकर आकाश, विनोद गोठडिया, अशोक सरना अध्यक्ष नारायणी धाम, उगमाराम अध्यक्ष तेजा समिति सुरसुरा, हीरालाल, रामेश्वर, हेमन्त, सुरेश एवं जोया परिवार राजगढ़ के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।